केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 02 मंगलवार 21 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा:विपक्ष के सांसदों ने चंदा चोरी लिखे पोस्टर और बैनर लहराए

नई दिल्ली (आभा)। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर–बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर–मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा– जंतर–मंतर पर बच्चे इकठ्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया।

दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा– मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो–एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो। मानसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी संसद पहुंचे। उन्होंने संसद भवन में मौजूद भाजपा सांसदों किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी संसद आए। विपक्ष पूरे सत्र में मोदी सरकार को नीट, राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसी मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में जब बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष के सांसदों ने चंदा चोरी लिखे पोस्टर और बैनर लहराए।

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) की जाएगी। यह बिल मई में जारी ऑर्डिनेंस की जगह लेगा। ऑर्डिनेंस लागू होने के बाद बढ़ी हुई स्वीकृत संख्या के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जज नियुक्त किए जा चुके हैं। इस संशोधन के लिए संविधान में बदलाव की जरूरत नहीं है। इसे पारित करने के लिए संसद में साधारण बहुमत चाहिए। जब संसद का सत्र नहीं चल रहा होता, तब सरकार तत्काल कानून बनाने के लिए ऑर्डिनेंस या अध्यादेश जारी कर सकती है। लेकिन संसद का सत्र शुरू होने के बाद उसे 6 सप्ताह (42 दिन) के भीतर दोनों सदनों से पारित कराना जरूरी होता है, अन्यथा ऑर्डिनेंस अपने आप ही समाप्त माना जाता है।

संसद घेरने निकले प्रदर्शनकारियों पर बरसी लाठियां: जंतर–मंतर को पुलिस ने खाली कराया

नई दिल्ली (आभा)। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर–मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को जंतर–मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया।

उधर, सीजेपी ने पहले दावा किया था कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया। लेकिन बाद में पुलिस और सीजेपी दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए।

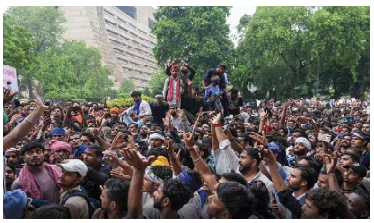

प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। देर शाम तक चले हंगामे के बीच प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर–बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर–मंतर और उसके आस–पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

अखिलेश सिंह की सुरक्षा बढ़ाने की मांग, विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर संगठन के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग किया। इसके साथ ही उन्होने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा जिसमें अखिलेश सिंह और उनके परिवार की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि अखिलेश सिंह लम्बे समय से हिंदू हितों, गौ संरक्षण तथा विभिन्न संवेदनशील मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन का दावा है कि कई मामलों में शिकायतकर्ता रहने और आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई कराने के कारण उन्हें लगातार जान–माल का खतरा बना हुआ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में उन पर हमले के प्रयास किए जा चुके हैं।

प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने पुलिस अधीक्षक से अखिलेश सिंह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने मांग किया। जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में अखिलेश सिंह को उपलब्ध वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, अंगरक्षकों की संख्या बढ़ाने तथा सुरक्षा श्रेणी में वृद्धि करने की मांग की गई है। उन्होने बताया कि अखिलेश सिंह सुरक्षा बढाने

विश्व हिन्दू महासंघ का कहना है कि संगठन के पदाधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है, ताकि किसी भी संभावित अप्रिय घटना से बचा जा सके।

ज्ञापन सौंपने वालों में विजय शंकर शुक्ला वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष गौ रक्षा, एडवोकेट कुलदीप मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ विश्व हिंदू महासंघ, अमरजीत सिंह वरिष्ठ प्रदेश सलाहकार गौ रक्षा, प्रमोद सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष सनातन रक्षा वाहिनी, सुधीर सिंह प्रदेश मंत्री, समर प्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष सनातन रक्षा वाहिनी, महेश हिंदुस्तानी प्रदेश कार्य समिति सदस्य, चंद्रशेखर कमलापुरी प्रदेश उपाध्यक्ष सांस्कृतिक प्रकोष्ठ,विवेक श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष सनातन रक्षा वाली बालकृष्ण सिंह उज्जवल सिंह अभिषेक आर्य शिवम मिश्रा, महेन्द्र पाठक सचि शुक्ला आदि शामिल रहे।

भारतीय बस्ती के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामना

भारतीय बस्ती के 48 वें स्थापना दिवस पर ए.आई. वरदान या अभिशाप विषयक संगोष्ठी में वृहद विमर्श:सम्मानित हुईं विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को मण्डल मुख्यालय से प्रकाशित दैनिक भारतीय बस्ती का 48 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब समागार में मनाया गया। इस अवसर पर पत्रकारिता, समाजसेवा, शिक्षा के क्षेत्र में विभूतियों को सम्मानित करने के साथ ही ' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई. वरदान या अभिशाप विषयक संगोष्ठी में वृहद विमर्श किया गया। दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री महेश शुक्ल ने कहा कि ए.आई. तकनीक का मानव हितों में उपयोग होना चाहिये। पत्रकार ध्यान रखें कि मानवीय पक्षों की उपेक्षा न होने पाये।

कार्यक्रम में भारतीय बस्ती के संस्थापक दिनेश चन्द्र पाण्डेय की स्मृति में दिनेश सिंह, सरदार जगबीर सिंह, प्रवीण पाण्डेय, हरिश्चन्द्र अग्रवाल स्मृति सम्मान से मोहित पाण्डेय, सुरेन्द्र पाण्डेय, जितेन्द्र यादव, मो. इब्राहीम स्मृति सम्मान से रवीश मिश्र, वहीद खान, आदिल खान और हीरालाल गुप्ता स्मृति सम्मान से सुभाष त्रिपाठी, सन्तोष सिंह, हरसरन कौर को सम्मानित किया गया।

–ए.आई. तकनीक का मानव हितों में उपयोग हो– महेश शुक्ल

विषय प्रवर्तन करते हुये कृष्ण गोपाल अग्रवाल और मानस श्रीवास्तव ने कहा कि ए.आई. मनुष्य की चेतना पर हावी न होने पाये वरना अनर्थ हो जायेगा। यह एक तकनीक है और इसका उसी रूप में पत्रकारों को सृजनात्मक उपयोग करना चाहिये। पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि मशीन मनुष्य की चेतना को प्रभावित न करने पाये इसके लिये सजग रहना होगा।

' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई. वरदान या अभिशाप विषयक संगोष्ठी को भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, सिद्धार्थ मिश्र, विनोद उपाध्याय, अरविन्द पाल, जयन्त मिश्र, कृष्णदेव मिश्र, गोपेश्वर त्रिपाठी, डॉ. सत्यव्रत, वागार्थ सांकृत्यायन, कौशल पाण्डेय, जगदीश शुक्ल, अशोक मिश्र, सर्वेष्ट मिश्र, सत्येन्द्र सिंह 'भोलू, अवधेश त्रिपाठी, योगेश शुक्ल, डा. वी.के. वर्मा, अरूणेन्द्र पटेल, प्रेमशंकर ओझा, दशरथ प्रसाद यादव, भानू सिंह, आयुष शुक्ल, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र,राजेश प्रताप सिंह बागी, सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी आदि ने सम्बोधित करते हुये ए.आई. तकनीक के विविध पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हरिश्चन्द्र अग्रवाल के पुत्र संजय अग्रवाल, मो. इब्राहीमके पुत्र अरशद के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में दिलीप पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव बिन्नू, राजेश पाण्डेय, अमर सोनी, रितिक कुमार, अमित कुमार सिंह,दिलीप सिंह,अनुराग श्रीवास्तव, राजेश पाण्डेय,ब्रम्हसेवक पाण्डेय,सुनील कुमार भट्ट,सर्वेश श्रीवास्तव,चन्द्रबली मिश्र,राजेश कुमार उपाध्याय,गौहर अली, जीशान हैदर रिजवी, गंगाराम,राजेश चित्रगुप्त, अरुण कुमार, रितेश कन्नौजिया,रत्नेन्द्र पाण्डेय,अजय श्रीवास्तव,जितेन्द्र कुमार,शैलेन्द्र दूबे,भोला पाण्डेय,चन्द्रेश्वर सिंह,दिलीप,आलोक कुमार श्रीवास्तव,राजवन्त,विवेक मिश्र,अनूप मिश्रा, वीरेन्द्र गोस्वामी, जितेन्द्र कौशल सिंह, विजय प्रकाश पाण्डेय,प्रद्युम्न शुक्ल,सुरेश कुमार सिंह गौतम,मनोज सिंह,प्रमोद पाण्डेय,सुनील सोनी,कलीम, अनिल श्रीवास्तव,विकम चौहान,पूरन तिवारी,उमेश कुमार दूबे,राहुल तिवारी,दीन दयाल तिवारी,विजय कुमार चौधरी,कौशल कुमार पाण्डेय,बृजेश कुमार शुक्ल,आशुतोष नारायन मिश्र,अंकुर वर्मा, सूर्य प्रकाश शुक्ला,गौरव अग्रवाल,विवेक श्रीवास्तव, वशिष्ठ कुमार पाण्डेय,संदीप गोयल,देवेन्द्र पाण्डेय,उदयभान,आदिल खान,राम बाबू श्रीवास्तव,चन्द्रभूषण श्रीवास्तव,शिवराज सिंह, प्रसन्न नारायन दूबे, श्रीप्रकाश,वीरेन्द्र कुमार शुक्ल, रामानन्द, देवानन्द पाण्डेय, अरूण त्रिपाठी,धीरज चौहान,सैम चौधरी,अवधेश कुमार त्रिपाठी,अर्चना श्रीवास्तव,अतुल पाण्डेय,मो0सामईन फारूकी, रमेश मिश्रा,रामअधार पाल,राकेश कुमार सिंह, राण महेन्द्र प्रताप,ग्यान प्रकाश दूबे,अखिल यादव,मोहित पाण्डेय,आशीष चौधरी, अमृत कुमार वर्मा,भारतराम,दिव्याश दूबे,कपीश मिश्र, इन्द्र भूषण, प्रिन्स शुक्ला, राम सागर मिश्र, सर्वेश कुमार, सर्वेश यादव, डा.नवीन सिंह,राजेन्द्र उपाध्याय,ओम प्रकाश मिश्र, शशिकान्त पाण्डेय,दिनेश कुमार पाण्डेय,डब्लू,चन्द्र प्रकाश,विवेक त्रिपाठी, अंकित त्रिपाठी, अब्दुल्लाह, अनिल सिह,के.पी. राठौर,रवि पाठक,सुनील दूबे,राजेश मिश्रा, लालचन्द चौधरी, अरूणेन्द्र पटेल,कृष्णचन्द्र सिह, ध्रुव चन्द्र सिह, मनमोहन श्रीवास्तव काजू,संतोष पाल,अखिलेश सिह,सरोज मिश्र,सुबाष शुक्ल,महेन्द्र तिवारी, जय प्रकाश उपाध्याय, प्रमोद श्रीवास्तव के साथ बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जुलाई 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन की उपलब्धि

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ–सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट– 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10–कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट–जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू–राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड–गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल–फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

वित्तीय नियोजन और प्रबंधन

आज ई–कॉमर्स और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पूरे देश को जोड़ रहे हैं। यदि सरकार, निजी क्षेत्र और डिजिटल प्लेटफॉर्म मिलकर कार्य करें तो देश के किसी भी जिले का प्रसिद्ध व्यंजन कुछ ही घंटों में दूसरे राज्य तक पहुंच सकता है। भविष्य में आधुनिक कोल्ड–चेन, वैक्यूम पैकेजिंग, गुणवत्ता मानक और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से स्थानीय व्यंजन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। आज चंपारण मटन बिना किसी सरकारी अभियान के अगर पूरे भारत में लोकप्रिय हो रहा है तो जरा सोचिये कि सरकार का हाथ और साथ मिलने से ये कितना तरक्की करेगा। फूड के एक या दो आइटम मक्डोनाल्ड और केएफसी वैश्विक विस्तार पा सकते हैं तो भारत तो हजारों फूड वेरायटी है जरुरत है एक दिशा देने की. इस योजना का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय एकीकरण है। जब उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति चेन्नई जाकर वहां का पारंपरिक भोजन पसंद करता है, या केरल का कोई परिवार बनारस की चाट, जौनपुर की इमरती अथवा आगरा का पेठा अपने घर पर मंगवाता है, तब केवल भोजन का आदान–प्रदान नहीं होता बल्कि संस्कृतियों का भी मिलन होता है। स्वाद लोगों को जोड़ने का सबसे सहज माध्यम है। "एक जिला एक व्यंजन" भारत की इसी सांस्कृतिक विविधता को राष्ट्रीय एकता की नई शक्ति में बदल सकता है। इस योजना का पर्यटन उद्योग पर भी अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भविष्य में "फूड टूरिज्म" भारत के पर्यटन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। लोग केवल ऐतिहासिक स्थलों को देखने नहीं, बल्कि स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए भी जिलों की यात्रा करेंगे। इससे होटल उद्योग, परिवहन, स्थानीय बाजार, हस्तशिल्प और अन्य सेवाओं को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि उत्तर प्रदेश की इस अभिनव पहल को केंद्र सरकार राष्ट्रीय मिशन के रूप में अपनाए। प्रत्येक जिले के पारंपरिक व्यंजन का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण हो, गुणवत्ता मानक तय किए जाएं, ळप टैग और ब्रांडिंग को बढ़ावा मिले, उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता दी जाए तथा निर्यात के लिए विशेष नीति बनाई जाए। यदि यह प्रयास योजनाबद्ध ढंग से किया गया तो आने वाले वर्षों में "एक जिला एक व्यंजन" केवल उत्तर प्रदेश की नहीं, बल्कि पूरे भारत की पहचान बन सकता है। भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि हर जिले का स्वाद दुनिया तक पहुंचे, तो भारतीय संस्कृति, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था सभी को नई गति मिलेगी। जिस प्रकार "मेक इन इंडिया" ने भारत की विनिर्माण क्षमता को नई पहचान दी, उसी प्रकार "एक जिला एक व्यंजन" भारत की खाद्य विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित कर सकता है। यह केवल स्वाद का अभियान नहीं होगा बल्कि आत्मनिर्भर भारत, ग्रामीण समृद्धि, सांस्कृतिक संरक्षण और "ब्रांड इंडिया" के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा।

सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका वास्तविक जनसमर्थन होता है। कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग सूची, यूट्यूब की लाखों व्यूज या टीवी चैनलों की लगातार बहसें किसी आंदोलन को चर्चा का विषय तो बना सकती हैं, लेकिन वे स्वयं जनमत का प्रमाण नहीं होतीं। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे आंदोलन रहे जिन्हें मीडिया ने बहुत कम स्थान दिया, फिर भी वे समाज में व्यापक परिवर्तन का कारण बने। वहीं कुछ ऐसे आंदोलन भी रहे जो मीडिया में छाए रहे, लेकिन समाज में स्थायी आधार नहीं बना सके।

पिछले कुछ वर्षों में लद्दाख और वहां के पर्यावरण, संवैधानिक अधिकारों तथा स्थानीय प्रतिनिधित्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई है। इस विमर्श में सोनम वांगचुक एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, हिमालयी पारिस्थितिकी, स्थानीय संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। देशभर में अनेक लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उनकी राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय जनसमर्थन के बीच पर्याप्त अंतर है।

यही प्रश्न आज लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में है। क्या किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय लोकप्रियता ही उसके स्थानीय जनाधार का प्रमाण है? या फिर किसी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके अपने समाज के विश्वास और भागीदारी से तय होती है?

हाल ही में लद्दाख के एक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी से हुई बातचीत में यह मत सामने आया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के समर्थन में वैसी व्यापक जन–लहर नहीं दिखाई देती जैसी राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत की जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो यह विचारणीय है कि राष्ट्रीय विमर्श और स्थानीय वास्तविकता के बीच इतना अंतर क्यों दिखाई देता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक संगठन या व्यक्ति की राय को पूरे लद्दाख की सामूहिक राय मान लेने से भी बचा जाए। लोकतंत्र में समाज बहुआयामी होता है और किसी भी क्षेत्र में अनेक मत, अनेक समूह और अनेक दृष्टिकोण मौजूद रहते हैं।

आज मीडिया का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पहले समाचारों का चयन संपादकीय विवेक से होता था, अब एल्गोरिद्म, क्लिक, व्यूज और ट्रेंड भी यह तय करने लगे हैं कि कौन–सा मुद्दा अधिक दिखाई देगा। परिणामस्वरूप कई बार किसी व्यक्ति की छवि उसके वास्तविक सामाजिक प्रभाव से कहीं अधिक बड़ी दिखाई देने लगती है। दूसरी ओर, कई ऐसे स्थानीय मुद्दे जो वास्तव में जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, राष्ट्रीय विमर्श से गायब रहते हैं।

सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन इसके साथ ही उसने 'नैरेटिव निर्माण' को भी नई गति दी है। कुछ मिनट का वीडियो, भावनात्मक अपील, प्रभावशाली संगीत और लगातार साझा किए जाने वाले संदेश किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय पहचान दिला सकते हैं। किंतु लोकतंत्र केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलता। लोकतंत्र का आधार वास्तविक समाज, वास्तविक नागरिक और वास्तविक जनभागीदारी है।

आज अनेक यूट्यूब चैनल स्वयं को स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतिनिधि बताते हैं। उनमें से कई उत्कृष्ट कार्य भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो किसी वैचारिक, राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्य से एकतरफा सामग्री प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में दर्शकों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सूचना और प्रचार के बीच अंतर कैसे करें। यदि कोई चौनल केवल एक ही पक्ष को दिखाए और दूसरे पक्ष की उपेक्षा करे, तो वह पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक जाता है।

इसी प्रकार मुख्यधारा का मीडिया भी कई बार व्यक्तियों को मुद्दों से बड़ा बना देता है। परिणाम यह होता है कि पर्यावरण, स्थानीय प्रशासन, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं और चर्चा केवल किसी एक चेहरे तक सीमित रह जाती है। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं मानी जा सकती।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी आंदोलन की सफलता केवल उसके नेता की लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। यदि स्थानीय समाज सक्रिय रूप से उसके साथ नहीं जुड़ता, तो आंदोलन की गति सीमित हो सकती है। वहीं यदि जनता व्यापक रूप से उसके साथ खड़ी हो, तो मीडिया चाहे जितना मौन रहे, आंदोलन अपनी दिशा स्वयं बना लेता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अनेक सामाजिक आंदोलनों तक यही अनुभव सामने आया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मीडिया किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके चर्चित चेहरे के आधार पर न करे। उसे यह भी देखना चाहिए कि उस आंदोलन से स्थानीय लोग कितनी संख्या में जुड़े हैं, उनके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और उनके भीतर उसके प्रति कितना विश्वास है। इसी प्रकार किसी आंदोलन के आलोचकों को भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर।

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना समर्थन का। यदि कोई व्यक्ति सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, तो उसे अपनी बात रखने का अधिकार है। उसी प्रकार यदि समाज का कोई वर्ग उसकी बात से असहमत है, तो उसे भी अपनी राय रखने का समान अधिकार है। लोकतांत्रिक परंपरा का अर्थ ही यही है कि विभिन्न मत सम्मानपूर्वक सामने आएँ और जनता स्वयं निर्णय करे।

लद्दाख जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, सुरक्षा और स्थानीय पहचान के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर गंभीर और तथ्याधारित चर्चा होनी चाहिए। यदि पूरा विमर्श केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं। इससे न समाज का भला होता है और न ही लोकतंत्र का।

आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी भी विषय को लेकर कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय अभियान चलाया जा सकता है। हैशटैग ट्रेंड होने लगते हैं, वीडियो वायरल हो जाते हैं और यह भ्रम पैदा हो सकता है कि पूरा देश किसी एक मत पर सहमत है। किंतु वास्तविक जनमत का आकलन केवल डिजिटल गतिविधियों से नहीं किया जा सकता। गाँव, कस्बे, स्थानीय संस्थाएँ, नागरिक संगठन और जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकेतक हैं।

पत्रकारिता का मूल धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि वह आंदोलनों और उनके नेताओं से भी प्रश्न पूछे। यदि पत्रकारिता केवल किसी एक पक्ष की प्रवक्ता बन जाए, तो उसकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र में मीडिया की सबसे बड़ी पूँजी उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता है। आज आवश्यकता संतुलित विमर्श की है। किसी भी व्यक्ति को देवता बनाना भी उचित नहीं और बिना पर्याप्त तथ्यों के उसे पूरी तरह खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं है। व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण वे मुद्दे हैं जिनके लिए वे आवाज उठाते हैं। यदि मुद्दे सही हैं, तो उन पर चर्चा होनी चाहिएय यदि तर्क कमजोर हैं, तो उनकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

अंततः लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। मीडिया केवल सूचना का माध्यम हो सकता है, निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सोशल मीडिया किसी व्यक्ति को प्रसिद्ध बना सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान वही प्राप्त करता है जिसे समाज का विश्वास मिलता है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन कैमरों की संख्या, व्यूज, लाइक या ट्रेंडिंग हैशटैग से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक जनाधार, स्थानीय सहभागिता, लोकतांत्रिक स्वीकार्यता और समाज पर पड़े प्रभाव से किया जाना चाहिए। लोकतंत्र का भविष्य भी इसी संतुलन में सुरक्षित हैकृजहाँ मीडिया तथ्य प्रस्तुत करे, समाज विवेक से निर्णय ले और किसी भी व्यक्ति या आंदोलन का मूल्यांकन प्रचार नहीं, बल्कि प्रमाण और जनविश्वास के आधार पर किया जाए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है और यही पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व भी।

सूखती धरती, बढ़ती प्यास, जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए।

भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते–घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय–समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है।

भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है।

जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है।

जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वतः कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल–आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है।

शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर–राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दर्शाता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है।

जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग–अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी।

इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अतः जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है।

इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए।

भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए। जहाँ भूजल का स्तर अत्यधिक गिर चुका है वहाँ निकासी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा कृत्रिम पुनर्भरण की योजनाओं को व्यापक रूप से लागू किया जाए।

वर्षा जल संचयन को राष्ट्रीय जनांदोलन बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी संस्थान में वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। गाँवों में तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए। स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए ताकि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन सके।

योगी आदित्यनाथ का एक जिला एक व्यंजन बनेगा "ब्रांड इंडिया"

–पंकज जायसवाल–

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना "एक जिला एक व्यंजन" केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक और खाद्य विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने वाला एक दूरदर्शी अभियान है। यदि इस योजना को सही रणनीति, गुणवत्तापूर्ण ब्रांडिंग, आधुनिक पैकेजिंग और राष्ट्रीय–वैश्विक विपणन के साथ लागू किया जाए, तो यह निश्चित रूप से "ब्रांड इंडिया" की नई पहचान बन सकती है। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबसे स्वर्णिम निर्णयों में गिना जाएगा।

इससे पहले भी उत्तर प्रदेश की "एक जिला एक उत्पाद" योजना ने देश–विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ओडीओपी के माध्यम से प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प, हथकरघा और स्थानीय उत्पादों को नया जीवन मिला। लाखों कारीगरों को रोजगार मिला, निर्यात में वृद्धि हुई और उत्तर प्रदेश के उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंचे। इसी प्रकार विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आधुनिक प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता देकर आत्मनिर्भर बनाया। इन दोनों योजनाओं की सफलता को देखते हुए भारत सरकार ने भी इनके स्वरूप को राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया। अब पूरी संभावना है कि "एक जिला एक व्यंजन" भी भविष्य में भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं में शामिल होगा क्योंकि इसकी संभावनाएं अत्यंत व्यापक हैं।

इस विचार से मेरा व्यक्तिगत जुड़ाव भी रहा है। नवंबर 2024 में मैं अपने गृह जनपद महाराजगंज के निचलौल क्षेत्र गया था। वहां मिठौरा बाजार में मुझे पहली बार "राम कटोरी" मिठाई खाने का अवसर मिला। यह मैदा से बनी कटोरी में शुद्ध खोया भरकर तैयार की जाने वाली अत्यंत स्वादिष्ट और अनोखी मिठाई है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता केवल इसका स्वाद नहीं बल्कि इसका इतिहास भी है। स्थानीय लोगों के अनुसार इसकी उत्पत्ति का संबंध राम मंदिर आंदोलन के समय से जुड़ा हुआ है जिसने इसे सांस्कृतिक महत्व भी प्रदान किया है।

राम कटोरी केवल महाराजगंज की पहचान नहीं है बल्कि सिद्धार्थनगर जनपद के कई स्थानों पर भी बड़े पैमाने पर बनाई जाती है। तभी मेरे मन में विचार आया कि जब यह मिठाई दो जिलों की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है तो इसे "एक जिला एक उत्पाद" योजना के अंतर्गत क्यों न शामिल किया जाए। गांव से लौटते ही मैंने नवंबर 2024 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि राम कटोरी को महाराजगंज एवं सिद्धार्थनगर दोनों जिलों के व्क्व्च उत्पाद के रूप में सूचीबद्ध किया जाए। वोकल फॉर लोकल के मेरे इस सुझाव के पीछे केवल एक मिठाई को पहचान दिलाने का उद्देश्य नहीं था। मेरा विश्वास था कि यदि सरकार की नीतिगत सहायता मिले तो यह मिठाई निर्यातोन्मुख उत्पाद बन सकती है। इससे स्थानीय उद्यमियों को नए अवसर मिलेंगे, युवाओं को रोजगार मिलेगा, दुग्ध उत्पादन और गौपालन को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। शुद्ध खोया की बढ़ती मांग के कारण स्थानीय स्तर पर दूध उत्पादन भी बढ़ेगा जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। इस प्रकार एक छोटी–सी मिठाई पूरे ग्रामीण आर्थिक तंत्र को गति देने की क्षमता रखती है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 48 जोड़ों का विवाह

संवाददाता–बलरामपुर। उतरौला में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 48 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के निर्देशन में तहसील उतरौला स्थित शालीमार लॉन में यह भव्य समारोह आयोजित किया गया। इनमें 38 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति–रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ, जबकि 10 जोड़ों का निकाह इस्लामिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया।

समारोह के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को उनके नए जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके सुखद, समृद्ध और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। विवाह स्थल पर पंजीकरण, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, भोजन और स्वच्छता सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई गई। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से यह समारोह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर उतरौला विधायक प्रतिनिधि, गैड़ास बुजुर्ग के प्रमुख श्री राकेश जी, रेहरा प्रमुख प्रतिनिधि, उतरौला प्रमुख, नगर पालिका परिषद उतरौला के अध्यक्ष उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग श्री विवेकानंद मिश्रा, खंड विकास अधिकारी (रेहरा, गैड़ास बुजुर्ग, श्रीदत्तगंज एवं उतरौला), जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। समारोह के अंत में नवविवाहित दंपतियों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की गई।

नीट 2026 में श्रीराम पब्लिक स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, पांच छात्रों ने हासिल की आल इंडिया रैंक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 का परिणाम 17 जुलाई को घोषित किया गया। परिणाम में श्रीराम पब्लिक स्कूल बस्ती के मेधावी छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा अंशिका मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक 1647 प्राप्त कर सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। वही सार्थक पटेल ने 7617, शिवम चौधरी ने 17420, शिवेन्द्र वर्मा ने 25834, वैभवी पाल ने 13000, सुधांशु मौर्या ने 25978 एवं पायल चौधरी ने 29003 ऑल इंडिया रैंक हासिल कर सफलता का परचम लहराया।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल छात्र–छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन का यह परिणाम है। इन विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय एवं अपने परिवार का गौरव बढ़ाया है।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक राजेश चौधरी, प्रधानाचार्य कुमार अभिनव एवं प्रबंधक दयाराम चौधरी ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है।

गंडक का डिस्चार्ज बढ़ा, उफान पर रोहिन नदी

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल में बारिश का असर जिले की नदियों के जलस्तर में देखने को मिल रहा है। सोमवार सुबह आठ बजे के मुकाबले वाल्मिकिनगर बैराज से गंडक नदी में 10 हजार क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज बढ़ा है। त्रिमुहानी घाट पर रोहिन नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है। खतरे के निशान से ऊपर बह रहे महाव नाला के जलस्तर में थोड़ी कमी दर्ज की गई है। सभी तटबंध सुरक्षित हैं। बाढ़ कंट्रोल रूम के मुताबिक वाल्मीकिनगर बैराज पर गंडक नदी का डिस्चार्ज सोमवार सुबह 8 बजे 1 लाख 11 हजार 500 क्यूसेक था। यह शाम 4 बजे बढ़कर 1 लाख 21 हजार 500 क्यूसेक पर पहुंच गया। त्रिमुहानी घाट पर रोहिन नदी का जलस्तर सुबह के 80.28 मीटर से बढ़कर शाम को 81.34 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर करीब एक मीटर बढ़ा है। भीमारी घाट पर भी रोहिन नदी 76.45 मीटर से चढ़कर 76.95 मीटर पर आ गई है। रतनपुर स्थित रोहिन बैराज से डिस्चार्ज 2185 क्यूसेक से बढ़कर 6514.5 क्यूसेक पहुंच गया है। धानी क्षेत्र में घाट पर रात्री नदी का जलस्तर सुबह के 76.63 मीटर के मुकाबले शाम को बढ़कर 77.32 मीटर हो गया है। खतरे के निशान 5 फीट से ऊपर बह रहे महाव नाले का जलस्तर सुबह 8.6 फीट था। शाम को घटकर 7 फीट पर आ गया। चंदन नदी का जलस्तर भी 100.15 मीटर से घटकर 99.80 मीटर व प्यास नदी 101.60 मीटर से घटकर 101.40 मीटर पर आ गई है। नियंत्रण कक्ष के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को 11 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले में अभी तक कुल बारिश का आंकड़ा 411.5 मिमी पहुंच गया है। बी–गैप क्षेत्र में 13.4 मिमी बारिश के साथ कुल आंकड़ा 696.8 मिमी दर्ज किया गया है। जलस्तर में उतार–चढ़ाव को देखते हुए बाढ़ खंड की टीम संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रख रही है।

सोनम बांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरी सपा, किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। दिल्ली के जंतर–मंतर से संसद तक आयोजित संसद मार्च के समर्थन में सोमवार को देवरिया में सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए। शहर के सुभाष चौक से कलेक्ट्रेट तक रिमझिम बारिश के बीच प्रदर्शन किया। शिक्षा की बर्बादी रोकने, परीक्षाओं की सूचिता बहाल करने तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित पत्रक नायब तहसीलदार शिवेंद्र कुमार कौडिल्य को सौंपा। समाजवादी युजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा शिक्षा और शिक्षण संस्थानों को बर्बाद करना चाहती है। भाजपा सरकार में 150 पेपर लीक हो चुके हैं। भाजपा सरकार में बेतहाशा बढ़ रही बेरोजगारी से नौजवान त्रस्त है। भ्रष्टाचार, बेइमानी और लूट चरम पर है। देश एवं प्रदेश के बेरोजगार नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। भाजपा सरकार के पास बेरोजगारों को रोजगार देने की कोई योजना नहीं है। भाजपा ने नौजवानों को ठगने का काम किया है। पढ़ा लिखा नौजवान बेरोजगारी की वजह से आत्महत्या करने को मजबूर है। भाजपा सरकार बेरोजगारों को नौकरी एवं रोजगार से दूर रखना चाहती है। देश की भाजपा सरकार में आए दिन हो रहे पेपर लीक से बेरोजगार नौजवान हताश हो चुके हैं। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने कहा कि भाजपा सरकार में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा की नीयत में खोट है। छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि भाजपा भर्ती और नौकरी को खत्म करने की साजिश कर रही है। भाजपा सरकार में बेरोजगारों को नौकरी के बदले लाठियों की सौगात मिल रही है। नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से छात्रों ने आत्महत्या की, इसके जिम्मेदार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। सोनम बांगचुक को ससम्मान मुक्त किया जाए। इस दौरान हृदय नारायण जायसवाल, रामप्रकाश चौधरी, हरिओम लाला, शिवानंद, संजीव, गिरीश जायसवाल, सुनैना कुशवाहा, लारेब रहमान, अंकुल, धर्मेंद्र, विजय यादव, सत्यपाल, अंकित श्रीवास्तव, हरिकेवल, विराट, दुर्गेश, अजय, विकास, धीरज, अवनीश गोलू, बलवंत मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों से दूसरा पासपोर्ट बनवाया, युवक गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक से अधिक पासपोर्ट बनवाने के मामले में एक युवक को 4 महीने बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी को रविवार शाम करीब 6:00 से 7:00 के बीच गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, युवक ने कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग कर दूसरा पासपोर्ट बनवाया था।

पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष सिरसिया सौरभ सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले में जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर आरोपी राजकुमार पुत्र राममिलन, निवासी भोजपुर बिल्ली, थाना सिरसिया को भोजपुर बिल्ली गांव के पास से गिरफ्तार किया। राजकुमार के खिलाफ थाना सिरसिया में मुकदमा संख्या 81/2026, धारा 319(2), 318(4), 338, 336, 340(2) बीएनएस और 12(1)(बी) पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

पुलिस ने बताया कि 21 मार्च 2026 को कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर एक से अधिक पासपोर्ट बनवाने की राजकुमार के खिलाफ शिकायत मिली थी, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी राजकुमार पहले कुवैत में काम करता था। कुछ समय बाद वह श्रावस्ती लौट आया। आरोप है कि भारत लौटने के बाद उसने फर्जी दस्तावेज तैयार कर दूसरा पासपोर्ट बनवाया। मामले की जांच में दस्तावेजों में गड़बड़ी सामने आने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, पुलिस ने राजकुमार के पहले से कुवैत में रहने संबंधी जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जेएसवाई भुगतान, एचपीवी टीकाकरण में तेजी लाने के निर्देश, सीएमओ ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सोमवार को एक समीक्षा बैठक की। यह बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित हुई, जिसमें जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के भुगतान और एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच), जनपद के समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारी (एमओआईसी), जिला लेखा प्रबंधक और ब्लॉक लेखा प्रबंधकों ने भाग लिया। इसमें नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत एचपीवी वैक्सीनेशन और आगामी जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने जननी सुरक्षा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के लंबित भुगतान में किसी भी प्रकार की ढिलाई को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने सभी चिकित्सा अधीक्षकों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जेएसवाई भुगतान में तेजी लाएं और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें।

समीक्षा के दौरान एचपीवी टीकाकरण की प्रगति का भी आकलन किया गया। सीएमओ ने सभी एमओआईसी को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत एचपीवी टीकाकरण पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सत्र की नियमित निगरानी की जाए और पात्र किशोरियों का एचपीवी टीकाकरण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। आगामी जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक के मद्देनजर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक अभिलेख, प्रगति रिपोर्ट और कार्यों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि शासन के प्राथमिकता वाले स्वास्थ्य कार्यक्रमों में अपेक्षित प्रगति लाने के लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करें।

गाय अगर पशु नहीं तो राष्ट्र माता घोषित करे सरकार –शंकराचार्य

संवाददाता–महराजगंज। गौ रक्षा धर्मयात्रा पर निकले शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को आंनदनगर स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में पहुंचे। यहां लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने यात्रा के उद्देश्यों को समझाया। कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी सम्भव है, जब हम गाय की रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि 13 वर्ष से केंद्र में और 9 वर्ष से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, लेकिन अभी तक केवल आश्वासन हाथ लगा है। उन्होंने कहा कि गाय को कोई पशु नहीं मानता। गाय अगर पशु नहीं है तो उसे राष्ट्र माता घोषित किया जाए। उन्होंने भाजपा के पहले कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा ने कहा था कि नरेन्द्र मोदी को मतदान–गाय को जीवनदान। लेकिन चुनाव के बाद कहीं ऐसा देखने को नहीं मिला। कहे कि दूसरे कार्यकाल में, उसके बाद तीसरे कार्यकाल की बात कही

गयी। लेकिन गाय रक्षा की बात नहीं हुई। शंकराचार्य ने कहा कि अभी लोग गाय को पशु ही समझते हैं, जबकि जिन्हें गाय का दुश्मन कहा जाता है वह भी सरकार से गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग कर रहे हैं। शंकराचार्य ने खुले मंच से आह्वान किया कि सरकार अगर गौ रक्षा नहीं कर सकती तो जवाब मांगा जाय। कहा कि वह पूरे देश में गौ रक्षा के लिए जनता को जागरूक करने और संवाद करने निकले हैं। यह भी कहा कि गाय को पशु मानने वाले व गाय को माता मानने वालों के बीच धर्मयुद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा गैर राजनीतिक है। सिर्फ व सिर्फ सनातन धर्म व गौ रक्षा के लिए ही यह यात्रा है। मंच पर शंकराचार्य का जोरदार स्वागत हुआ। कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख राम प्रकाश सिंह, आयोजक राजन तिवारी, त्रिभुवन नारायण मिश्र, विजय सिंह, विद्या सागर यादव ने भी अपने विचार रखे। इसके अलावा डॉ. ओपी त्रिपाठी, दिलीप चौहरी, देवी शरण दूबे, राम शरण गुप्ता, विभूति पाण्डेय, राकेश केशरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने किया केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्यागपत्र की मांगः राष्ट्रपति को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन

युवाओं की आवाजों को सुने सरकार- डा. राम सुभाष वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राजधानी दिल्ली के जन्तर–मन्तर पर अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ हुए पुलिस के दुर्व्यवहार और पेपर लीक, युवाओं की मांग, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्याग पत्र सहित 4 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधी प्रतिमा चौराहा स्थित बापू प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया।

ज्ञापन देने के बाद 'आप' जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं को लेकर बहुत परेशान है। ऐसी स्थिति में सोनम वांगचुक जी का अनशन यह बताता है कि युवाओं के मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। देश की तरक्की के लिए यह बहुत जरूरी है कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो और उनकी बात सुनी जाए।

आप के जिला प्रभारी कुलदीप जायसवाल, सह प्रभारी पतिराम आजाद, महिला विंग जिलाध्यक्ष मिथलेश भारती ने कहा कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान त्याग पत्र दें और युवाओं की मांगों पर विचार कर न्याय की मांग को लेकर धरना, आन्दोलन करने वालों का दमन बंद कराया जाय।

4 सूत्रीय ज्ञापन में सोनम वांगचुक और युवाओं पर हुए लाठीचार्ज और जबरन कार्रवाई की उच्चस्तरीय जांच कराने, देश के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ रोकने के लिए 'पेपर लीक' के खिलाफ सख्त कानून बनाकर और युवाओं के लिए रोजगार के पक्के अवसर सुनिश्चित करने हेतु ठोस नीतियां बनाने, जंतर–मंतर जैसी जगहों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने वालों में रामसजन सूर्यवंशी, चन्द्रभान कन्नौजिया, आशीष जायसवाल, पुनीता उपाध्याय, अब्दुल कयूम, वीरेन्द्र कुमार यादव, उमेश शर्मा आदि शामिल रहे।

पति के घर में की चोरी,प्रेमी संग भागने की तैयारी, महिला गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। पति के घर में चोरी का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा करते हुए महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों प्रेम संबंध में थे और साथ भागने की योजना बना रहे थे। इसके लिए पैसों का इंतजाम करने की नीयत से महिला ने अपने ही घर से सोने–चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। सोमवार शाम करीब 4रू30 बजे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया। मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सीओ नगर योगेंद्र सिंह ने किया। सीओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि विशुनापुर बाजार गांव निवासी लवकुश ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 19 जुलाई की रात अज्ञात चोर घर में घुस आए, तीन बक्सों के ताले तोड़कर जेवर और 50 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। शिकायत में बताया गया था कि चोरों ने उसकी पत्नी पूनम के साथ मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गई थी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान महिला आरक्षी ने पूनम कसौधन से पूछताछ की तो उसने पूरी घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, पूनम का अपने पति के मौसी के बेटे विकास कसौधन से पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों साथ भागकर नई जिंदगी शुरू करना चाहते थे। पूनम ने पूछताछ में बताया कि शादी के आठ वर्ष बाद भी संतान नहीं हुई थी और परिवार इलाज नहीं करा रहा था। इसलिए उसने विकास के साथ भागकर इलाज कराने का फैसला किया। पैसों की जरूरत को देखते हुए दोनों ने घर से नकदी और जेवर चोरी करने की योजना बनाई। पुलिस के मुताबिक, चोरी के बाद दोनों ने घटना को अंजाम देने के लिए झूठी कहानी गढ़ी और अज्ञात चोरों द्वारा वारदात किए जाने की सूचना दी। जांच में सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस ने विकास के घर से चोरी किए गए सोने–चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपये नकद बरामद कर लिए।

जीजा पर रेप का केस, गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। तीन साल पहले चचेरे जीजा से शुरू हुआ प्रेम संबंध शादी के वादे तक पहुंचा, लेकिन युवती का आरोप है कि इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने लगातार शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती ने शादी की बात दोबारा उठाई तो आरोपी ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देते हुए साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची, मुकदमा दर्ज हुआ और सोमवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। कटरा बाजार थाना क्षेत्र के एक वार्ड की रहने वाली 21 वर्षीय युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बड़ी बहन की शादी हरिओम उर्फ छोटू उर्फ हरिकेश के बड़े भाई से हुई है। इसी वजह से उसका बहन के घर लगातार आना–जाना रहता था। इसी दौरान उसकी पहचान चचेरे जीजा हरिओम उर्फ छोटू से हुई। युवती का आरोप है कि दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और धीरे–धीरे प्रेम संबंध बन गए। इसी दौरान आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया और भविष्य में साथ जीवन बिताने का भरोसा दिलाया। युवती का कहना है कि इसी भरोसे पर उसने आरोपी पर विश्वास किया। पीड़िता के अनुसार, पिछले तीन वर्षों तक आरोपी लगातार शादी का आश्वासन देता रहा। इसी भरोसे के आधार पर उसने कई बार युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती का कहना है कि वह बार–बार शादी की बात करती रही, लेकिन आरोपी हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर बात टाल देता था। आरोप है कि 16 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे जब युवती ने एक बार फिर शादी करने का दबाव बनाया तो हरिओम उर्फ छोटू ने शादी से साफ इनकार कर दिया। सोमवार दोपहर करीब तीन बजे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

5 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकपा माले ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

दमन का रास्ता बंद करे मोदी सरकार- का. अशर्फीलाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ' माले' के जिला प्रभारी का. रामलौट के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 5 सूत्रीय ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा देने, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) भंग करने, उसकी जगह जवाबदेह व पारदर्शी परीक्षा प्रणाली स्थापित करने, नई शिक्षा नीति 2020 रद करने, पेपर लीक व भ्रष्टाचार पर रोक लगाने,. सभी के लिए सस्ती, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने आदि की मांग शामिल है। राष्ट्रपति को ज्ञापन देने के बाद का. अशर्फीलाल ने कहा कि गत 18 जुलाई को 21 दिनों से अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा जबरन उठाकर ले जाया गया और आइसा के अनशनकारियों का अपहरण करने की पुलिस द्वारा कोशिश की गई। इन दमनात्मक कार्रवाइयों की हम कड़ी निंदा करते हैं। भ्रष्टाचार, पेपर लीक और सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था के सुनियोजित विनाश के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। इसलिए मोदी सरकार ने दमन का रास्ता चुना है।

का. रामलौट ने कहा कि आंदोलनकारियों की न्यायसंगत मांगों पर विचार करने के बजाय सरकार ने धमकी, बल प्रयोग और लोकतांत्रिक असहमति के दमन को अपना हथियार बना लिया है। इसके विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष को आगे बढ़ाना होगा।

ज्ञापन देने वालों में रामदयाल, गौरीशंकर, मनीष कुमार, अंकुर गौतम, श्याम मनोहर जायसवाल, विपिन कुमार, अंकुर गौतम, सचिन कन्नौजिया, राम प्रकाश पटेल, रेनूबाला, सुलेखा आदि शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती

जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–530/1998

कामता

बनाम

राजाराम आदि

3/1 सुबाष चन्द्र पुत्र प्रसिद्धनाथ 3/2 रामहित पुत्र प्रसिद्धनाथ 3/3 हरीलाल पुत्र प्रसिद्धनाथ 3/4 शैलेन्द्र यादव 3/5 सोनू यादव पुत्रगण प्रसिद्धनाथ निवासीगण ग्राम अठदमा तप्पा हवेली परगना बस्ती नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 06–08–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

अपील के सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना (धारा 41 नियम 14 व्या0प्र0सं0)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/ विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट महोदय सिद्धार्थ नगर

प्रकीर्ण अपील सं0–31/2025

मो0 कामिल आदि

बनाम

अब्दुल नूर आदि

1– नुसरत अनीस पत्नी राशिद पुत्री अनीस निवासी नरायनपुर (पश्चिम डीह) तहसील उतरौला जिला बलरामपुर

तारीख पेशी 03–08–2026

आपको सूचना दी जाती है कि मामले को आदेश डिक्री की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गयी है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 03–08–2026 नियत की गयी है।

यदि इस अपील में आप की ओर से आप स्वयं या आपके अधिवक्ता या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उक्त नियति तिथि को समय 10:00 अपरान्ह उपसंजात नही होगा तो मुकदमा वगैर आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।

यह आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

निगरानी वाद के सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना (धारा 41 नियम 14 व्या0प्र0सं0)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/ एफ0टी0सी0 महोदय सिद्धार्थ नगर

फौजदारी निगरानी सं0 88/2024

धारा 438

थाना–शिवनगर डिडई

जिला–सिद्धार्थनगर

राममूरत

बनाम

फूलेसरी आदि

1. फूलेसरी पत्नी रामसजन 2. रामसजन पुत्र झकरी 3. गंगाराम पुत्र रामसजन 4. नीलम देवी पत्नी गंगाराम समस्त निवासीगण मसिना खास थाना डिडई जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–08–2026

आपको सूचना दी जाती है कि मामले को आदेश डिक्री की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गयी है और इस फौजदारी निगरानी/अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 12–08–2026 नियत की गयी है।

यदि इस फौजदारी निगरानी/अपील में आप की ओर से आप स्वयं या आपके अधिवक्ता या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उक्त नियति तिथि को समय 10:00 अपरान्ह उपसंजात नही होगा तो वह आपके अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।

यह आज दिनांक 18.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गयी।

द0 हाकिम

पत्रकारों की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत– अवधेश त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई हर्रैया की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को ब्लॉक संसाधन केन्द्र हर्रैया के सभागार में जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं, पत्रकार हितों की सुरक्षा तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में तहसील क्षेत्र के पत्रकार उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज और लोकतंत्र के प्रति एक नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में हमेशा सत्य, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है। पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी उसकी ईमानदारी, विश्वसनीयता और निष्पक्ष छवि होती है, जिसे किसी भी परिस्थिति में समझौते का विषय नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकार सीमित संसाधनों में भी समाज की वास्तविक तस्वीर शासन–प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। संगठन का उद्देश्य प्रत्येक पत्रकार के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करना है। सभी पत्रकारों को तथ्यों पर आधारित, जिम्मेदार और सकारात्मक पत्रकारिता करते हुए समाज के विश्वास को और मजबूत बनाना चाहिए। संगठन तभी मजबूत होगा, जब उसके सदस्य आपसी एकता, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ कार्य करेंगे। अन्य वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार समाज और लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी हैं। निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता ही पत्रकार की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने संगठन की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि सभी पत्रकार आपसी सहयोग और नैतिक मूल्यों के साथ कार्य करें, ताकि पत्रकार हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन किया जा सके। बैठक को तहसील अध्यक्ष राजेश सिंह विशेन, जिला उपाध्यक्ष जनार्दन पाण्डेय, तहसील संरक्षक एसएन द्विवेदी आदि ने सम्बोधित किया।

बैठक में हाल ही में बभनान में एक पत्रकार के साथ स्थानीय नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा कथित मारपीट की घटना की कड़ी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। इस मामले में संबंधित पत्रकार से संगठन ने जवाब तलब भी किया है। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में संगठन हमेशा पत्रकारों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। इस दौरान बिना संगठन को विश्वास में लिए मामले में समझौता किए जाने पर भी सदस्यों ने नाराजगी और आक्रोश व्यक्त किया। सदस्यों ने भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल संगठन को देने तथा सामूहिक निर्णय के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने पर बल दिया। संचालन जिला महामंत्री अनिल कुमार पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से रामलालित यादव, शमशेर बहादुर सिंह, रूबल कमलापुरी, आदित्य सिंह, प्रेम कुमार सिंह, विवेक पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शक्ति शरण उपाध्याय, नवीन तिवारी, अनिल कुमार त्रिपाठी, बृजकिशोर यादव, राजेंद्र कुमार कमल, बृजेश कुमार, विजय कुमार शर्मा, हिमांशु द्विवेदी, सुभाष मिश्र, मनोज सिंह, मो. इन्द्रीश सिद्दीकी, जटाशंकर पाण्डेय, प्रमोद श्रीवास्तव, दिनेश पटेल, सत्यदेव शुक्ल, बृजेश पाल सिंह, रामजीत पाण्डेय और नरेन्द्र कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

करंट लगने से विवाहिता की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर।

आलापुर थाना क्षेत्र के खतमीपुर गांव में सोमवार को घर के लोहे के चैनल में उतरे करंट की चपेट में आने से 23 वर्षीय विवाहिता रीमा चौहान की मौत हो गई, जबकि बचाव के दौरान उसके पिता रामशरण घायल हो गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि रीमा चौहान पत्नी बृजमोहन इन दिनों अपने मायके खतमीपुर में रह रही थीं। उनकी छह माह की एक बेटी भी है। सोमवार को घर के चौनल में अचानक करंट उतर आया, जिसकी चपेट में गांव की सुनीता पत्नी प्रेमचंद आ गईं। सुनीता को बचाने के लिए रीमा दौड़ी, लेकिन वह स्वयं करंट की चपेट में आ गईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बेटी को बचाने के प्रयास में पिता रामशरण भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची आलापुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक अनीता कमल, वरिष्ठ भाजपा नेता श्यामनाथ शुक्ला, मंडल अध्यक्ष विनय पांडे, भाजपा नेता ज्योतिइन्नाथ त्रिपाठी समेत कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

रालोद की बैठक में बूथ स्तर पर संगठन के मजबूती जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोक दल की मासिक बैठक रविवार को प्रेस क्लब में जिलाध्यक्ष महिपाल पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई।

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश मिश्र ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय लोक दल की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाएं और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने का संकल्प लें।

बैठक का संचालन करते हुये क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन विस्तार में जुटे और राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के हाथों को मजबूत करने का कार्य करे।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव राजा ऐश्वर्या राज सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं की ताकत से ही राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य पूरे होंगे। मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनके सिद्धांतों और किसान हितैषी सोच को जन–जन तक पहुंचाना ही राष्ट्रीय लोक दल का उद्देश्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने का आह्वान किया।

प्रदेश महासचिव अरुणेन्द्र पटेल ने कहा कि रालोद मजबूत हुई तो नौजवानों, किसानों का सपना साकार होगा। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के अधूरे सपनों को पूरा करने का हम सबका लक्ष्य होना चाहिये।

बैठक के दौरान संगठन की समीक्षा भी की गई तथा बूथ स्तर पर नई समितियों के गठन, सदस्यता अभियान को गति देने और गांव–गांव तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी कड़ी में रालोद के अध्यक्ष महिपाल पटेल का पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय महासचिव अरुण कुमार चौधरी, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गीता वर्मा, अभय पटेल, नागेन्द्र कुमार, शिवकुमार गौतम, इन्द्र बहादुर यादव, राजेश कुमार गुप्ता, अविनाश वर्मा, शिवम पटेल, मुकेश यादव, राम सुमेर, राम जगत, देवेंद्र प्रताप चौधरी, भूपेंद्र प्रताप, ओंकारनाथ चौधरी, राजेश कुमार, राहुल यादव, आशीष चौधरी, रामकमल, महेन्द्र यादव, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, विश्वनाथ यादव, श्रीराम चौधरी, राज वर्मा, राहुल वर्मा, अंकुर श्रीवास्तव, राहुल कुमार सोनकर, मुकेश विश्वकर्मा, अटल चौधरी, छठीलाल चौधरी, राज चौधरी, अजय चौरसिया, राम सजीवन द्विवेदी, सीपी चौधरी, दिलीप चौधरी, रामकृपाल चौधरी, रजनीकांत मिश्र, मुन्नीलाल, उमा चौधरी, मंजू देवी, उषा देवी, रंजना देवी, रीता, बसंती, सुरेश, चंद्रावती, विजय कुमार, इरफान अहमद, विजयपाल, राधेश्याम चौधरी, विवेक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव के लिये बनी रणनीति

धारदार हथियार से युवक पर हमला, मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान तोड़ा दम

संवाददाता–गोरखपुर।

धारदार हथियार से हमले में घायल युवक की सोमवार सुबह बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले की जानकारी होने पर परिवार में मातम पसर गया। पुलिस ने पिता की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या की कोशिश करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिसमें हत्या की धारा बढ़ाई गई है।

हरपुर बुदहट के बैदौली गांव के टोला जंगल डिगर सूपा निवासी 30 वर्षीय प्रेमसागर यादव शनिवार शाम करीब छह बजे मोटरसाइकिल से बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिवार ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।

रविवार सुबह बैजलपुर ग्राम पंचायत भवन के पास सड़क किनारे ग्रामीणों ने एक युवक को खून से लथपथ अचेत अवस्था में पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची हरपुर–बुदहट पुलिस ने घायल की पहचान प्रेमसागर यादव के रूप में की और एंबुलेंस से पहले सीएचसी सहजनवां, फिर जिला अस्पताल तथा हालत गंभीर होने पर बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल भेजा। वहां उपचार के दौरान सोमवार सुबह मौत हो गई। प्रेमसागर के सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया था। पिता ज्ञानेंद्र ने बताया कि प्रेमसागर की शादी वर्ष 2022 में संतकबीरनगर जिले के मुहली थाना क्षेत्र के उसरापार गांव निवासी नेहा यादव से हुई थी। दंपती की कोई संतान नहीं है।

एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर हरपुर–बुदहट पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम का शुभारंभ, एक ही छत के नीचे मोबाइल, फाइनेंस और हेल्थ केयर की सुविधा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के भारत मार्केट, कंपनी बाग स्थित श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम का शुभारंभ रविवार को प्रोपराइटर सुनील सिंह के सुपुत्र अनुभव सिंह द्वारा विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रतिष्ठान में आने वाले अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

उद्घाटन के बाद प्रोपराइटर सुनील सिंह ने बताया कि श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम के माध्यम से ग्राहकों को मोबाइल फोन के सभी प्रमुख ब्रांडों के नवीनतम (लेटेस्ट) मॉडल एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा मोबाइल से संबंधित सभी प्रकार की आवश्यक एक्सेसरीज, जैसे चार्जर, इयरफोन, कवर, टेम्पर्ड ग्लास, पावर बैंक, स्पीकर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज भी उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता, उचित कीमत और भरोसेमंद सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान के अंतर्गत संचालित सिद्धिविनायक फाइनेंस के माध्यम से लोगों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें होम लोन, एजुकेशनल लोन, बिजनेस लोन, वाहन ऋण सहित अन्य सभी प्रकार के फाइनेंस की सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों को सही मार्गदर्शन और आसान प्रक्रिया के साथ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आगुमवी टीम के सहयोग से ग्राहकों को पारदर्शी एवं सरल सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

सुनील सिंह ने सिद्धिविनायक हेल्थ केयर की जानकारी देते हुए कहा कि यहां डॉ. जगदीश शर्मा एवं डॉ. भगौती अपनी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और फास्ट फूड के बढ़ते चलन के कारण लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। अधिकांश लोग छोटी–बड़ी समस्याओं में भी एलोपैथिक दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे कई बार अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी उत्पन्न हो जाती हैं। ऐसे समय में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य परामर्श एवं समुचित देखभाल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिद्धिविनायक हेल्थ केयर की शुरुआत की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह केंद्र क्षेत्रवासियों के लिए एक उपयोगी और लाभकारी पहल साबित होगा।

उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान की सफलता की कामना करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर टेलीकॉम, फाइनेंस और हेल्थ केयर जैसी विभिन्न सेवाओं का उपलब्ध होना क्षेत्र के लोगों के लिए काफी सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने सुनील सिंह एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, वकील सिंह, सिद्धांत सिंह, ऋषभ शाहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। समारोह का समापन अतिथियों के सम्मान और सभी के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

महापौर डॉ मंगलेश ने स्वयं खड़े होकर खुलवाएं स्लुईस गेट

संवाददाता–गोरखपुर।

रामगढ़ताल के जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए पाम पैराडाइज के पास गोरखपुर देवरिया बाइपास पर लगे स्लुईस गेट के सभी फाटक को सोमवार को महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने खुलवा दिया। गोरखपुर जल निगम नगरीय के कर्मचारियों ने गेट को खोला।इसके पूर्व जिला प्रशासन के कहने पर 02 गेट खोले गए थे, तीन पहले से ही खुले हुए थे।

शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को माफियाओं से मुक्त कराये सरकार–महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने मांग किया है कि शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को माफियाओं से मुक्त कराया जाय। पेपर लीक देश के लिये बड़ी समस्या बन चुका है। सरकार को इसका स्थाई समाधान ढूढना होगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा छात्रों की गूंज अभियान चलाया जा रहा है किन्तु सरकार 21 प्रतिभागियों द्वारा आत्महत्या कर लेने की दुःखद घटना के बाद भी चुप है। यह स्थितियां खतरनाक है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार में परीक्षा की शुचिता लगातार प्रभावित हो रही है। शिक्षा माफियाओं को सत्ता का संरक्षण मिलने के कारण पेपर लीक जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। कहा कि शिक्षा के राजनीतिकरण को बंद करने, विश्वविद्यालयों में आरएसएस पृष्ठभूमि के कुलपतियों को हटाने, पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई, प्रभावित छात्रों और उनके परिजनों को मुआवजा देने तथा सभी प्रतियोगी परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ करायी जाय। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मो0 उस्मान

बनाम

बालेन्द्र आदि

बावत मौजा कल्यानपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

1. बालेन्द्र 2. हरिश्चन्द्र पुत्रगण रामनरेश 3. राममिलन 4. बुद्धिराम पुत्रगण बुद्धू साकिन सोढ़री तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5. श्रीमती नीलम पाण्डेय पत्नी प्रदीप 6. श्रीमती सुनीता पाण्डेय पत्नी संदीप पाण्डेय साकिन डिलिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 7. श्रीमती उर्मिला पत्नी विनोद साकिन जामडीह तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 8. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 23–07–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (ज्0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–294/2021

अरुन सिंह आदि

बनाम

शारदा सिंह आदि

1. शारदा सिंह पुत्र भानदत्त सिंह 2. अमित कुमार बासदेव निवासीगण ग्राम चाँदा बुजुर्ग तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–08–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

घर पर प्रसव हुआ तो एमओआईसी होंगे जिम्मेदार –डीएम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि घर पर प्रसव होने पर संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी (एमओआईसी) जिम्मेदार होंगे। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिले में किसी भी गर्भवती महिला का प्रसव घर पर नहीं होना चाहिए। आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी गति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और सभी अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप अभियान चलाकर शत–प्रतिशत कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने तथा सभी आयुष्मान आरोग्य केंद्र समय से खुलवाने का भी निर्देश दिया।

सपा का प्रदर्शन:जौहर विश्वविद्यालय, नीट पेपर लीक और सोनम वांगचुक प्रकरण पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जौहर विश्वविद्यालय, राम मंदिर चढ़ावा चोरी, नीट पेपर लीक और सोनम वांगचुक प्रकरण को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध जताया।

अब्दुल कलाम ने आरोप लगाया कि सरकार जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जिससे हजारों छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले का भी जिक्र किया गया। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मामला सामने आने के बावजूद संबंधित लोगों के खिलाफ अब तक कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी सपा ने केंद्र सरकार को घेरा। ज्ञापन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की गई। इसके अलावा जंतर–मंतर पर छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया गया।

सपा नेताओं ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप कर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने तथा ज्ञापन में उठाए गए सभी मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन में मेंहदावल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी जयराम पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष लोरिक यादव, रामदरश यादव, जिला महासचिव विनोद यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सानिया SANIYA पुत्री इन्तजारूल हक INTEZARUL HAQUE बेगम खैर कालोनी गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी हूं। मेरा आईसीएसई हाईस्कूल बोर्ड वर्ष 2026 अनुक्रमांक 1267959/136 के अंक पत्र में पिता का नाम इन्तजारूल हक INTEZARUL HAQUE के स्थान पर INTEZARUL HAQ SIDDIQUI इन्तजारूल हक सिद्दीकी हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर इन्तजारूल हक INTEZARUL HAQUE कराया जाय।

कार्यालय नगर पालिका परिषद–बस्ती

अल्प कालिक निविदा सूचना

पत्रांक 880 / न०पा०प०ब० / दिनांक 18–7–2026

सम्बंधित फर्म/विक्रेताओ / ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि अमहट घाट व नगर पालिका क्षेत्रान्तार्गत टेन्ट, सी०सी०टी०वी०, एवं साउण्ड सिस्टम का कार्य कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु दर की आवश्यकता है। जिस हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.08.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक आमन्त्रित किये जायेगें। निविदा फार्म कार्यालय में 200 रू० जमा कर दिनांक 03.08.2026 तक प्रातः 11 बजे तक प्राप्त किये जा सकेगें। जो दिनांक 03.08.2026 को सायं 04.00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा निविदादाताओ के समक्ष खोले जायेगें। निविदा फार्म के साथ जमानत राशि 20000.00 रु० का एफ०डी०आर/एन०एस०सी० / जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बस्ती के नाम बन्धक होगा लगाना अनिवार्य होगा। किसी भी एक अथवा सभी निविदाओ को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

अधिशाषी अधिकारी — नगर पालिका परिषद बस्ती।

अध्यक्ष — नगर पालिका परिषद बस्ती।

पत्रांक 880 / न०पा०प०ब० / स्टोर अनु० दिनांक 18–7–2026

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com